

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. बी. सान्याल

परिपत्र क्र. : विशेष

दिनांक : 10.06.2015

प्रिय साथियों, भारतीय जीवन बीमा की सेवाओं से का. नवेन्दु चक्रवर्ती की सेवानिवृत्ति

AIIEA के उपाध्यक्ष तथा CZIEA के अध्यक्ष का. नवेन्दु चक्रवर्ती 41 वर्षों से भी अधिक के सेवाकाल के बाद दिनांक 30 जून 2015 को भारतीय जीवन बीमा निगम से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अपने सेवाकाल के आरंभ में ही स्वयं के उत्थान के बजाय AIIEA के इस बहादुर साथी ने व्यापक जनवादी आन्दोलन विशेषकर बीमा कर्मचारियों के आन्दोलनों के साथ अपने आपको जोड़ने का कठिन विकल्प का चुनाव किया। मृदुभाषी, शांत, गंभीर, अकाट्य तर्कों में महारत का. चक्रवर्ती का जन्म खडकी छावनी, पुणे में माता श्रीमती प्रीति देवी तथा पिता श्री गोपाल चन्द्र चक्रवर्ती के घर दिनांक 25 जून 1955 को हुआ। उनके पिता रक्षा सेवा में कार्यरत थे तथा उनकी सेवायें भारत में कहीं भी स्थानांतरणीय थी। पिता के सेवानिवृत्ति के पश्चात उनका परिवार जबलपुर में ही बस गया। का. चक्रवर्ती के सात भाई एवं तीन बहनें हैं तथा वे भाईयों में सबसे छोटे हैं।

विज्ञान में स्नातक एवं लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की शिक्षा के बाद का. चक्रवर्ती ने 30 मार्च 1974 को भारतीय जीवन बीमा निगम की सेवा में सहायक के रूप में जबलपुर मंडल में पदभार ग्रहण किया। और उसके बाद उन्होंने अपने विधि स्नातक की पढ़ाई पूर्ण की। नौकरी के शुरुआत से ही वे AIIEA के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा संचालित यूनियन गतिविधियों के प्रति आकर्षित हुये। सन् 1978 में वे AIIEA के जबलपुर मंडलीय इकाई के सहसचिवों में से एक चुने गये। सन् 1996-97 में वे एक वर्ष के लिये महासचिव चुने गये। सन् 1997 से 2003 तक वे जबलपुर मंडलीय इकाई के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे और 2004 में महासचिव चुने गये। इस दौरान का. चक्रवर्ती ने CZIEA के सहसचिव एवं उपाध्यक्ष के रूप में भी जिम्मेदारी का निर्वाह किया। इस मध्य वे जबलपुर डिवीजन लाईफ इंश्योरेन्स को-आपरेटिव्ह सोसायटी के 10 वर्षों तक अध्यक्ष के रूप में भी जिम्मेदारी निभाये।

का. चक्रवर्ती ने इस दौरान विभिन्न पदों पर कार्य करते हुये उनके ऊपर आये तमाम दायित्वों का विशिष्टता व दृढ़ता के साथ बखूबी निर्वहन किया। बीमा कर्मचारियों के आन्दोलन के अलावा का. चक्रवर्ती जबलपुर एवं उसके आस-पास व्यापक जनवादी आन्दोलनों में भी भारी सक्रिय हैं। एक ट्रेड यूनियन नेता के रूप में काम करने की प्रक्रिया में उन्होंने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। यहां तक कि इसके चलते उन्हें अनेक प्रबंधकीय प्रताड़ना का भी सामना करना पड़ा फिर भी वे कभी भी अपने लक्ष्य से विमुख नहीं हुये। JDIEU में विभिन्न पदों पर इस अवधि में काम करने के दौरान वे संगठन में

अनेक उतार-चढ़ाव तथा पेचीदे हालातों के साक्षी रहे। लेकिन, वे सदैव संगठन के लक्ष्य के प्रति बिना किसी भटकाव के दृढ़ प्रतिज्ञ रहे। उनके इन्हीं प्रतिभाओं ने आज के का. चक्रवर्ती के रूप में उन्हें विकसित किया।

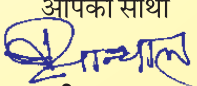


CZIEA के अध्यक्ष एवं AIIEA के उपाध्यक्ष के रूप में संगठन के समग्र विकास में उनका योगदान अतुलनीय है। सादगी का. चक्रवर्ती का पर्याय है। उन्होंने LIC में कई वर्ष पूर्व 1974 में सहायक के रूप में सेवा प्रारंभ की और 30 जून 2015 को 41 वर्षों की लम्बी सेवावधि के बाद भी वे एक सहायक के रूप में तथा संयोगवश उसी विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। हालांकि, इस अवधि में उन्होंने विभिन्न विभागों व शाखाओं में भी काम किया। एक प्यारे व्यक्तित्व के धनी का. चक्रवर्ती बीमा कर्मियों के आन्दोलन और उसके बाहर भी इसी नाम से प्रसिद्ध हैं।

इस प्रक्रिया में उनके प्रतिबद्ध व निःस्वार्थ कार्यों के जरिये संगठन को सुदृढ़ बनाने की भूमिका में आज भी उनकी पत्नि श्रीमती सपना चक्रवर्ती और उनके एकमात्र पुत्र आदित्य का पूर्ण सहयोग उन्हें प्राप्त हो रहा है। हम इन दोनों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

का. चक्रवर्ती जैसे व्यक्ति के लिये LIC जैसे संस्था से सेवानिवृत्ति निश्चय ही व्यापक जनवादी आन्दोलन के लिये और अधिक से अधिक काम करने का अवसर है ताकि शोषणविहीन समाज के निर्माण के सपने को हासिल किया जा सके। LIC की सेवाओं से सेवानिवृत्ति के इस अवसर पर हम का. चक्रवर्ती को दीर्घायु, सक्रिय, स्वस्थ और उद्देश्यपूर्ण जीवन की शुभकामनाएं देते हुये यह विश्वास व्यक्त करते हैं कि आने वाले दिनों में भी वे लम्बे समय तक बीमा कर्मचारियों के आन्दोलन में अपना सक्रिय नेतृत्व प्रदान करते रहेंगे। हम का. चक्रवर्ती को लाल सलाम प्रेषित करते हैं।

शुभकामनाओं सहित,

आपका साथी

 (बी. सान्याल)
 महासचिव

JDIEU के द्वारा दिनांक 5 जुलाई 2015 को जबलपुर में का. चक्रवर्ती का अभिनंदन समारोह आयोजित किया जा रहा है।

Dear Comrades,

COM. NAVENDU CHAKRAVARTY RETIREES FROM LIC

Com. Navendu Chakravarty, Vice President AIIEA & President CZIEA is retiring from the services of LIC on 30th June, 2015, after putting in more than 41 years of service. A valiant comrade of AIIEA who, from the very beginning of the service in LIC has chosen the hard option to dedicate himself to the cause of Insurance Employees' movement in particular & the democratic movement in general, instead of choosing the soft option of self upliftment. Soft spoken, sober in nature, very strong in argument but polite in submission, Comrade Chakravarty was born on 25th June, 1955 in Khadki cantonment, Pune to Smt. Preeti Devi & Shri Gopal Chandra Chakravarty. His father was a Defence Employee with a transferable service throughout India. His family settled at Jabalpur after the retirement of his father. Com. Chakravarty got seven brothers & three sisters. He is the youngest amongst his seven brothers.

As a science graduate & post graduation diploma in public administration Com. Chakravarty joined LIC as an Assistant in Jabalpur Division on 30th March, 1974. He completed his Law graduation later. From the very beginning he was attracted towards the Union activities being carried out by AIIEA leaders & cadres. In 1978, he was elected as one of the Joint Secretaries of Jabalpur Division Insurance Employees' Union, In 1996-1997. He was the General Secretary for one term & thereafter 1997 to 2003 he worked as a Vice-president of the Divisional organization. In 2004 Com. Chakravarty was elected as the General Secretary of JDIEU. During this period he discharged the responsibilities as Joint Secretary & Vice president of CZIEA also. In 2013, in the 8th general conference of the Central Zone Insurance Employees' Association at Gwalior, com. Chakravarty was elected as the President of the Zonal organization & in Jan. 2014, the 23rd general conference of AIIEA held at Nagpur elected him as one of the vice-presidents of AIIEA. In between, he also worked as president of the Jabalpur Division Life Insurance Co-operative society for ten years (two terms).

Com. Chakravarty discharged with distinction & firm determination whatever responsibilities came on him in the process of his work in different capacities. Apart from the Insurance Employees' movement com. Chakravarty is very active in the broader democratic movement in around Jabalpur. In the process of carrying out the works as a trade union leader he never compromised with principles & at times he had to undergo sufferings for that but com. Chakravarty never gave-up the cause for which stood for.

During his tenures in different capacities in JDIEU he has seen many ups & downs, twists & turns in the organization but he always remained determined towards the cause of the organization without any vacillation whatsoever. This has made Com. Chakravarty what he is today.



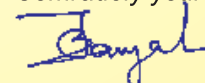
As president of the CZIEA & vice president of the AIIEA his contributions to the all round growth of the organization is immense. Simplicity is synonym of com. Chakravarty. He joined LIC as an Assistant way back in 1974 & 30th June, 2015 after a very long innings of 41 years, he is retiring as an Assistant only & coincidentally from the same department, though he worked in many departments including branches during this time. A loveable personality, com. Chakravarty is a very popular name amongst the Insurance Employees' movements & outside.

In the process of his dedicated & selfless works for making the organization stronger still he received unflinching support & cooperation from his wife Smt. Sapna Chakravarty & his only Son Aditya. We express our gratitude to both of them.

For a man like comrade Chakravarty, retirement from LIC definitely comes as an opportunity to work more & more for the wider democratic movement to realize the dream of the establishment of an egalitarian society. On the occasion of his retirement from the services of LIC we wish him a long, very active, purposeful & healthy life with the fervent hope that he would continue to work for the cause of Insurance employees' too, in the days to come. Red salute to Com. Navendu Chakravarty.

With greetings,

Comradely yours



(B. SANYAL)

GENERAL SECRETARY